AADHAAR

ECONOMIC TIMES HINDI, Delhi, 19.4.2018

Page No. 8, Size:(8.72)cms X (18.08)cms.

ऑफलाइन आधार वेरिफिकेशन के लिए मिलेगा नया QR कोड

नए क्यूआर कोड में फोटो को जोड़ा गया है

पीटीआई नई दिल्ली

आधार की प्राइवेसी को और मजबूत बनाने के लिए यूआईडीएआई ने बुधवार को नया क्यूआर कोड पेश किया। इसमें यूजर का नाम, पता, उसकी फोटो और जन्मतिथि जैसी जानकारियां मौजूद होंगी, जिसे 12 अंकों का आधार नंबर बताए बिना ऑफलाइन यूजर वेरिफिकेशन के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। नए क्यूआर कोड में फोटो को जोड़ा गया है। आधार का इस्तेमाल आजकल कई सेवाओं की खातिर वेरिफिकेशन के लिए हो रहा है। ऐसे में नए क्यूआर कोड से ऑफलाइन वेरिफिकेशन किए जाने पर डॉक्युमेंट्स में किसी तरह की छेड़छाड़ से बचने में मदद मिलेगी।

- आधार कार्ड होल्डर्स यूआईडीएआई की आधिकारिक वेबसाइट या इसके मोबाइल ऐप से बायोमीट्रिक आईडी को क्यूआर कोड के साथ डाउनलोड और प्रिंट कर सकते हैं

आधार कार्ड होल्डर्स यूआईडीएआई की आधिकारिक वेबसाइट या इसके मोबाइल ऐप से बायोमीट्रिक आईडी को क्यूआर कोड के साथ डाउनलोड और प्रिंट कर सकते हैं। क्यूआर कोड बारकोड लेबल का ही एक रूप है, जिसमें मौजूद जानकारियों को मशीन पढ़ सकती है। यूजर्स नए क्यूआर कोड का प्रिंटआउट निकालने के बाद उसपर मौजूद अपने आधार नंबर को मिटा कर या काला करके वेरिफिकेशन के लिए ऑफलाइन इस्तेमाल कर सकते हैं। मान लीजिए कि अगर आपने ऑनलाइन शॉपिंग की है और डिलीवरीमैन आपसे पहचान के लिए आईडी मांगता है तो आप क्यूआर कोड का प्रिंटआउट दिखा सकते हैं।

इस कोड को आधार साइट पर मौजूद नए क्यूआर कोड रीडर के साथ स्कैन करते ही डिलीवरीमैन को आपकी सभी गैर-संवेदनशील जानकारी मिल जाएगी। इसमें आपका नाम, पता, जन्मतिथि और फोटो शामिल होंगे। क्यूआर कोड यह भी सुनिश्चित करेगा कि आधार होल्डर वास्तविक है और किसी भी तरह के जाली डॉक्युमेंट का इस्तेमाल नहीं कर रहा है। इस पूरी प्रकिया में न ही आधार नंबर और ना ही बायोमीट्रिक पहचान को शेयर किया जाएगा। इससे आधार कार्ड होल्डर की प्राइवेसी बनी रहेगी। यूआईडीआई के सीईओ अजय भूषण पांडे ने कहा, 'ऑफलाइन क्यूआर कोड एक बड़ी उपलब्धि है। इससे हर नागरिक बिना आधार नंबर बताए ऑफलाइन वेरिफिकेशन करा सकता है।'